Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 05 August 2024

Dainik Jagran
Page - 04

दीक्षा समारोह का हिस्सा बनेंगे गोद लिए बच्चे

गांवों के स्कूलों में बच्चों के लिए आयोजित की जाएंगी विविध प्रतियोगिताएं

गोरखपुर विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इस बार के दीक्षा समारोह से गांव के स्कूलों के बच्चे भी जुड़ेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन समारोह के अंतर्गत गोद लिए पांच गांवों के स्कूलों में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन कराएगा। प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को समारोह के मंच कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के हाथों पुरस्कृत कराया जाएगा।

इस पहल की जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि गांवों के स्कूलों में कक्षा समूह को विभाजित कर भाषण, पेंटिंग और कहानी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समूह चार वर्ग में बनाया जाएगा। कक्षा से पांच तक के बच्चों का पहला, कक्षा छह से आठ तक का दूसरा, कक्षा नौ व कक्षा 10 का तीसरा और कक्षा 11 व कक्षा 12 का चौथा समूह होगा। हर कक्षा समूह के लिए भाषण, पेंटिंग और कहानी की तीन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके लिए विषय का चयन समूह के विद्यार्थियों की समझ के आधार पर तय किया जाएगा।

प्रत्येक कक्षा समूह से प्रत्येक प्रतियोगिता में दो उत्कृष्ट बच्चे चुने जाएंगे। यानी पांच गावों में कक्षा समूहवार प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए 10 बच्चों का चयन किया जाएगा। उसके बाद समूहवार प्रत्येक प्रतियोगिता की दूसरे राउंड की प्रतियोगिता कराई जाएगी। इस प्रतियोगिता के जरिये हर समूह के तीन विजेता प्रतिभागी सुनिश्चित होंगे, जिन्हें कुलाधिपति अपने हाथों से पुरस्कृत करेंगी।

आगनवाड़ी केन्द्रों के बीच होंगी प्रतियोगिता : गोद लिए गए पांच गावों के आंगनबाड़ी केंद्रों के बीच भी प्रतियोगिता कराने की योजना विश्वविद्यालय ने बनाई है। यह प्रतियोगिता केंद्र की सफाई, बच्चों की सफाई, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति आदि को लेकर होगी। यदि किसी गांव में एक से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र है तो इन केन्द्रों के मध्य भी प्रतियोगिता आयोजित होगी।

दीक्षा समारोह में प्रदर्शित होगा प्रतियोगिता का दस्तावेज

दीक्षा समारोह में हर प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी बच्चों का चित्र समारोह में प्रदर्शित किया जायेगा। भाषणों को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी किताब बनाई जायेगी। कहानी को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी भी एक अलग किताब बनाई जाएगी।

प्रो. पूनम टंडन • गाकरण

यह और अन्य खबरें देखें- https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html

Amar Ujala
Page - 07

गोरखपुर विश्वविद्यालय : प्रवेश के लिए प्रमाण पत्रों का सत्यापन आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए जिन अभ्यर्थियों ने शुल्क जमा कर दिया है, उनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन सोमवार से विभागों में शुरू होगा। यह प्रक्रिया आठ अगस्त तक चलेगी। पहले चरण के बाद खाली रह गई सीटों पर दूसरे चरण में सीट आवंटन किया जाएगा। विश्वविद्यालय में इस साल ऑनलाइन काउंसिलिंग के जरिए प्रवेश लिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के कुछ अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में परेशानी की वजह से विश्वविद्यालय ने बीए ऑनर्स की काउंसिलिंग ऑफलाइन कराने का निर्णय लिया है। पहले चरण में जिनकी सीट आवंटित हो गई है वे अभ्यर्थी अपनी फीस रसीद के साथ उस पर अंकित तिथि एवं समय के अनुसार अपने संकाय/विभाग/कॉलेज में संपर्क करेंगे। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा के अनुसार उनको अपने साथ सभी मूल अंकपत्र, जाति एवं आय के प्रमाण पत्र (जिन पर लागू हो), आधार कार्ड, चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी)/माइग्रेशन एवं वेटेज से संबंधित मूल प्रमाण पत्र लाना होगा। अभ्यर्थी अपने इन सभी प्रपत्रों की एक-एक स्व हस्ताक्षरित छायाप्रति भी लेकर जाएंगे। संवाद

Hindustan
Page - 07

गोद लिए 5 गांवों में होंगी प्रतियोगिताएं

डीडीयू

- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए पांच गांवों के विद्यालयों में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं
- 30 अगस्त को है विवि का 43वां दीक्षांत, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में 43वां दीक्षांत समारोह 30 अगस्त को प्रस्तावित है। इसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच गांवों में स्थित विद्यालयों में विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजयी प्रतिभागियों को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सम्मानित करेंगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्यार्थियों को 'कक्षा समूह' में विभाजित कर भाषण, चित्रकला/पेंटिंग और कहानी कथन की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रतियोगिताओं के लिए प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन से पांच तक, जूनियर कक्षा छह से आठ तक, हाईस्कूल के कक्षा नौ से 10 तक और इंटरमीडिएट कक्षा 11 से 12 तक अलग-अलग 'कक्षा समूह' बनाए जाएंगे। प्रत्येक कक्षा समूह में तीन-तीन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रत्येक स्कूल में कराये जाने वाले भाषण, चित्रकला, कहानी कथन का विषय कक्षा समूह के आधार पर निर्धारित किए जाएंगे। कक्षा समूह वार प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम दो उत्कृष्ट बच्चे चयनित किए जाएंगे।

इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में प्रत्येक प्रतियोगिता के दस्तावेज को प्रदर्शित किया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी बच्चों का चित्र दीक्षांत समारोह में प्रदर्शित किया जाएगा। भाषणों को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी किताब बनाई जाएगी। कहानी को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी भी एक किताब बनाई जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रतियोगिता: सम्बंधित आंगनवाड़ी केंद्रों में भी आपस में एक प्रतियोगिता कराई जाएगी जिनमें केंद्रों की सफाई, बच्चों की सफाई (बाल नाखून कपड़े, बैग, जूते आदि सभी की), कार्यकत्रियों की उपस्थिति/स्वास्थ्य एवं अन्य मापदंडों पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित होगी। यदि किसी गांव में एक से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र है तो इनके बीच भी प्रतियोगिता आयोजित होगी।

प्रवेश को प्रमाण पत्रों का सत्यापन आज से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए जिन अभ्यर्थियों ने शुल्क जमा कर दिया है, उनके प्रमाण पत्रों का सत्यापन सोमवार से विभागों में शुरू होगा। यह प्रक्रिया आठ अगस्त तक चलेगी।

पहले चरण के बाद रिक्त रह गई सीटों पर दूसरे चरण में सीट आवंटन किया जाएगा। विश्वविद्यालय में इस साल ऑनलाइन काउंसलिंग के जरिए प्रवेश लिया जा रहा है। ऑनलाइन काउंसलिंग में पेच के कारण बीए ऑनर्स की काउंसलिंग ऑफलाइन कराने का निर्णय लिया गया है। पहले चरण में जिनकी सीट आवंटित हो गई है, वे अभ्यर्थी फीस रसीद के साथ उस पर अंकित तिथि एवं समय के अनुसार अपने संकाय/विभाग/कॉलेज में संपर्क करेंगे।

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू : गोद लिए पांच गांवों में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

विजेताओं को सम्मानित करेंगी कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में 43वां दीक्षांत समारोह 30 अगस्त को प्रस्तावित है। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए पांच गांवों में मौजूद विद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजयी प्रतिभागियों को कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल सम्मानित करेंगी।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विद्यार्थियों को "कक्षा समूह" में विभाजित कर भाषण, चित्रकला/पेंटिंग और कहानी कथन की प्रतियोगिताएं आयोजित की जानी है। प्रतियोगिताओं के लिए प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन से पांच तक, जूनियर में कक्षा छह से आठ तक, हाईस्कूल से कक्षा नौ व 10 और इंटरमीडिएट में कक्षा 11 व 12 के अलग-अलग "कक्षा समूह" बनाए जाएंगे।

विद्यालयों में प्रत्येक "कक्षा समूह" वार कुल तीन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रत्येक स्कूल में कराए जाने वाले भाषण, चित्रकला, कहानी कथन का विषय कक्षा समूह के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

कक्षा समूह वार प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम दो उत्कृष्ट बच्चे चयनित किए जाएंगे। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में प्रत्येक प्रतियोगिता के दस्तावेज को प्रदर्शित किया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी बच्चों का चित्र दीक्षांत समारोह में प्रदर्शित किया जाएगा। भाषणों और कहानी को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उनकी किताब बनाई जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रतियोगिता

सभी गावों के अंतर्गत आने वाले आंगनबाड़ी केंद्रों में भी आपस में एक प्रतियोगिता कराई जाएगी, जिनमें केंद्रों की सफाई, बच्चों की सफाई (बाल नाखून कपड़े, बैग, जूते आदि सभी की), कार्यकर्ता की उपस्थिति/स्वास्थ्य एवं अन्य मापदंडों पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित होगी। यदि किसी गांव में एक से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र है तो इनके बीच भी प्रतियोगिता आयोजित होगी।

डीडीयू : गोद लिए गांवों में होंगी प्रतियोगिताएं

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में 43वां दीक्षांत समारोह 30 अगस्त को प्रस्तावित है। समारोह कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गए पांच गांवों में विद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजयी प्रतिभागियों को कुलाधिपति सम्मानित करेंगी।

कुलपति प्रो. पूनम ने बताया कि विद्यार्थियों को "कक्षा समूह" में बांट कर भाषण, चित्रकला/पेंटिंग और कहानी कथन की प्रतियोगिताएं करानी है। प्रतियोगिताओं के लिए प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन से पांच तक, जूनियर में कक्षा छह से आठ तक, हाईस्कूल से कक्षा नौ व 10 और इंटरमीडिएट में कक्षा 11 व 12 के अलग-अलग "कक्षा समूह" बनाए जाएंगे। संवाद

Swatantra Bharat

ई-अध्ययन सामग्री का कुलपति ने किया विमोचन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के स्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम में शामिल माइनर इलेक्टिव कोर्स, कोड- पीएच100, नाथ पंथ का परिचय के ई-अध्ययन सामग्री का प्रो. पूनम टंडन, मा. कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने आज विमोचन कर वेबसाइट पर लोकार्पण किया।

यह अध्ययन सामग्री महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इस ई-अध्ययन सामग्री को तैयार करने वाली टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस अध्ययन सामग्री से विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र ने बताया कि यह ई-अध्ययन सामग्री स्नातक (बी. ए., बी. कॉम., बी. सी. ए., बी. एससी.) के प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह ई-अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय एवं शोधपीठ के आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। विद्यार्थी वहाँ से इसे डाउनलोड कर सकते है।

विश्वविद्यालय के बी. ए. तृतीय सेमेस्टर के छात्र एवं छात्राओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस माइनर इलेक्टिव कोर्स का स्टडी मटेरियल मिल नहीं रहा था, अब इससे हम परीक्षा की तैयारी अच्छे से कर सकेंगे। इस अवसर पर महायोगी गुरु श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ के उप निदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र, सहायक निदेशक डॉ. सोनल सिंह, सहायक ग्रन्थालयी डॉ. मनोज कुमार द्विवेदी, रिसर्च एसोसिएट डॉ. सुनील कुमार एवं वरिष्ठ शोध अध्येता हर्षवर्धन सिंह उपस्थित रहे।

Super Fast Times

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सुपर फास्ट टाइम्स
(कुशीनगर/गोरखपुर/बार

गोद लिए गए 5 गांवों के विद्यालयों में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

-चयनित विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति करेंगी सम्मानित

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में प्रस्तावित दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांवों में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। कुलपति प्रो० पूनम टंडन ने कहा कि विद्यार्थियों को ह्कक्षा समूहह्व में विभाजित कर भाषण,चित्रकला,पेंटिंग तथा कहानी कथन की प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। कुलपति ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को कुलाधिपति एवं महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा दीक्षान्त समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए प्राथमिक विद्यालय से कक्षा 3 से 5 तक,जूनियर कक्षा 6 से 8 तक,हाईस्कूल से कक्षा 9 से 10 तक एवं इण्टरमीडिएट कक्षा 11 से 12 तक अलग-अलग ह्कक्षा समूहह्व बनाए जायेंगे। विद्यालयों में प्रत्येक ह्कक्षा समूहह्व वार कुल 3 प्रतियोगिता आयोजित की जायेंगी। जिसमें भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला,पेंटिंग प्रतियोगिता तथा कहानी कथन प्रतियोगिता शामिल हैं। प्रत्येक स्कूल में कराये जाने वाले भाषण,चित्रकला,कहानी कथन का विषय प्रत्येक कक्षा समूह के आधार पर निर्धारित किये जायेंगे। प्रत्येक विद्यालय से "कक्षा समूहह्व वार प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम दो उत्कृष्ट बच्चे चयनित किये जाएँ अर्थात 05 ग्रामों में "कक्षा समूहह्व वार प्रत्येक प्रतियोगिता के कुल 10 बच्चे चयनित होंगे। उसके बाद इन 10 बच्चों (प्रथम राउंड) के मध्य "कक्षा समूहह्व वार प्रत्येक प्रतियोगिता की पुनः प्रतियोगिता (द्वितीय राउंड) होगी। इसी प्रतियोगिता में प्रथम 3 विजेता (जो "कक्षा समूहह्व वार प्रत्येक प्रतियोगिता भाषण, चित्रकला,पेंटिंग तथा कहानी कथन हेतु चिन्हित होंगे) को महामहिम राज्यपाल द्वारा दीक्षान्त समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही दीक्षान्त समारोह में प्रत्येक प्रतियोगिता के दस्तावेज को प्रदर्शित किया जायेगा। चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी बच्चों का चित्र दीक्षान्त समारोह में प्रदर्शित किया जायेगा। भाषणों को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी किताब बनाई जायेगी। कहानी को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी भी एक किताब बनाई जाएगी।

- आगनवाड़ी केन्द्रों में भी आपस में होगी प्रतियोगिता

इन 6 गावों के अंतर्गत आने वाले आगनवाड़ी केन्द्रों में भी आपस में एक प्रतियोगिता करायी जायेगी, जिनमें केंद्रों की सफाई,बच्चों की सफाई (बाल नाखून कपड़े, बैग, जूते आदि सभी की), कार्यकत्रियों की उपस्थिति,स्वास्थ्य एवं अन्य मापदंडों पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित होगी। यदि किसी गाँव में एक से अधिक आंगनवाडी केन्द्र है। तो इन केन्द्रों के मध्य भी प्रतियोगिता आयोजित होगी।

Swatantra Chetna
Page - 04

गोद लिए गए 5 गांवों के विद्यालयों में आयोजित की जायेंगी प्रतियोगिताएं

☐ चयनित विद्यार्थियों को दीक्षांत समारोह में सम्मानित करेंगी कुलाधिपति

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रस्तावित दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 5 गांवों में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी।

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने कहा कि विद्यार्थियों को कक्षा समूह में विभाजित कर भाषण, चित्रकला /पेंटिंग तथा कहानी कथन की प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी।

कुलपति ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा दीक्षान्त समारोह में सम्मानित किया जाएगा।इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए प्राथमिक विद्यालय से कक्षा 3 से 5 तक, जूनियर कक्षा 6 से 8 तक, हाईस्कूल से कक्षा 9 से 10 तक एवं इण्टरमीडिएट कक्षा 11 से 12 तक अलग-अलग कक्षा समूह बनाए जायेंगे।

विद्यालयों में प्रत्येक कक्षा समूह वार कुल 3 प्रतियोगिता आयोजित की जायेंगी। जिसमें भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला /पेंटिंग प्रतियोगिता तथा कहानी कथन प्रतियोगिता शामिल हैं।प्रत्येक स्कूल में कराये जाने वाले भाषण, चित्रकला, कहानी कथन का विषय प्रत्येक कक्षा समूह के आधार पर निर्धारित किये जायेंगे।प्रत्येक विद्यालय से कक्षा समूह वार प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम दो उत्कृष्ट बच्चे चयनित किये जाएँ अर्थात 05 ग्रामों में कक्षा समूह वार प्रत्येक प्रतियोगिता के कुल 10 बच्चे चयनित होंगे। तत्पश्चात इन 10 बच्चों (प्रथम राउंड) के मध्य कक्षा समूह वार प्रत्येक प्रतियोगिता की पुन: प्रतियोगिता (द्वितीय राउंड) होगी। इसी प्रतियोगिता में प्रथम 3 विजेता (जो कक्षा समूह वार प्रत्येक प्रतियोगिता भाषण, चित्रकला /पेंटिंग तथा कहानी कथन हेतु चिन्हित होंगे) को राज्यपाल द्वारा दीक्षान्त समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

इसके साथ ही दीक्षान्त समारोह में प्रत्येक प्रतियोगिता के दस्तावेज को प्रदर्शित किया जायेगा। चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी बच्चों का चित्र दीक्षान्त समारोह में प्रदर्शित किया जायेगा। भाषणों को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी किताब बनाई जायेगी। कहानी को बच्चे अपने हस्तलिपि में लिखेंगे व उसकी भी एक किताब बनाई जाएगी।

आगनवाड़ी केन्द्रों में भी आपस में होगी प्रतियोगिता

इन 5 गावों के अंतर्गत आने वाले आगनवाड़ी केन्द्रों में भी आपस में एक प्रतियोगिता करायी जायेगी, जिनमें केंद्रों की सफाई, बच्चों की सफाई (बाल नाखून कपड़े, बैग, जूते आदि सभी की), कार्यकत्रियों की उपस्थिति / स्वास्थ्य एवं अन्य मापदंडों पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित होगी। यदि किसी गाँव में एक से अधिक आंगनवाडी केन्द्र है तो इन केन्द्रों के मध्य भी प्रतियोगिता आयोजित होगी।